कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (71) खण्ड - {141}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अपने से जो सीनियर हैं, उनका ..... जरूर रखना है ?

A- आदर

B- रिगार्ड

C- मान

D- सम्मान

प्रश्न 2- सन्तुष्ट मणि बनो तो क्या बन जायेंगे ?

A- प्रभु प्रिय

B- लोकप्रिय

C- स्वयंप्रिय

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- खुदाई बगीचा है ?

A- सतयुग, त्रेता

B- संगमयुग

C- सतयुग

D- शूद्र से ब्राह्मण बनना

प्रश्न 4- बाप हमें किचड़े के डिब्बे से निकाल गुल-गुल बनाते हैं। किचड़े का डिब्बा अर्थात -

A- पुरानी दुनिया

B- कलियुग

C- तमोप्रधान

D- विषय वैतरणी नदी

प्रश्न 5- यह है अमूल्य जीवन, क्योंकि-

A- भगवान से पढ़ रहे हैं।

B- तुम ईश्वरीय सन्तान हो।

C- ब्राह्मण बने हैं।

D- पतित से पावन बन रहे हैं।

प्रश्न 6- सदा हर कर्म करते हुए अपने को ..... आत्मा अनुभव करो ?

A- निमित्त

B- कर्मयोगी

C- कम्बाइण्ड

D- विश्व कल्याणकारी

प्रश्न 7- स्वर्ग का गेट कौन पार करते हैं ?

A- शिवबाबा

B- श्रीकृष्ण

C- ब्रम्हाबाबा

D- बाबा मम्मा

प्रश्न 8- किस को जानने से परमात्मा को फट से जान जायेंगे ?

A- ड्रामा को

B- आत्मा को

C- सृष्टिचक्र को

D- ब्रह्मा को

प्रश्न 9- गेट वे टू हेविन है -

A- सृष्टिचक्र

B- कलियुग अन्त

C- गोले पर जहाँ संगम दिखाया है

D- सीढ़ी

प्रश्न 10- स्वर्ग में जाने का गेट दिखलाते हैं -

A- ब्रह्मा बाबा

B- सीढ़ी

C- गोला

D- शिवबाबा

प्रश्न 11- अहो सौभाग्य यदि यह भी याद रहे कि -

A- हम अभी शूद्र से ब्राह्मण बने हैं।

B- भण्डारे में भी योग में रह भोजन बनायें तो।

C- हम अभी संगमयुगी हैं।

D- हम ईश्वरीय संतान हैं।

प्रश्न 12- किसको कहते हैं असोच अर्थात् एक की याद ?

A- बाबा और हम कम्बाइण्ड हैं, करावनहार बाबा है

B- सर्व सम्बन्ध एक बाप से

C- मेरा तो एक शिव बाबा

D- वाबा ही मेरा संसार है

प्रश्न 13- क्या तुम कभी भूल नहीं सकते ?

A- हम आत्मा सूक्ष्म हैं।

B- निराकार की महिमा है।

C- गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है।

D- गीता का भगवान हमको पढ़ाते हैं।

प्रश्न 14- किस को माया का पादर (जूता) मारना कहते हैं ?

A- रोना

B- पीटना

C- बेहाल होना

D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 15- आधा-आधा है -

A- ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात

B- ज्ञान मार्ग और भक्ति मार्ग

C- प्रवृत्ति मार्ग और निवृत्ति मार्ग

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 16- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- मूवी

B- ब्रह्म तत्व

C- मुक्तिधाम

D- साइलेन्स

भाग (71) खण्ड {141} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.रिगार्ड*

जो बच्चे सीनियर हैं, उनका रिगार्ड रखो। रिगार्ड नहीं रखते तो अपने ऊपर पाप का बोझा चढ़ाते हैं। बहुत-बहुत मीठा बनना है। देह-अभिमान में नहीं आना है।

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

सन्तुष्ट मणी बनो तो प्रभु प्रिय, लोकप्रिय और स्वयंप्रिय बन जायेंगे।

उत्तर 3- *C.सतयुग*

बुलाते भी हैं कि बाबा आकर हमको गुल-गुल बनाओ। कांटों के जंगल से निकाल फ्लावर बनाओ। *खुदाई बगीचे (सतयुग) में बिठाओ।* अब असुरों के जंगल में पड़े हैं। बाप तुम बच्चों को गार्डन में ले चलते हैं। शुद्र से ब्राह्मण बने हैं फिर देवता बनेंगे। यह देवताओं की राजधानी है।

उत्तर 4- *C.तमोप्रधान*

बाप हमें किचड़े के डिब्बे से निकाल गुल-गुल बनाते हैं। आसुरी गुण वालों को दैवी गुणवान बनाते हैं। ड्रामा अनुसार बाप ने आकर हमें किचड़े से निकाल एडाप्ट किया है। *किचडे का डिब्बा अर्थात तमोप्रधान*

उत्तर 5- *B.तुम ईश्वरीय सन्तान हो*

तुम बच्चों की बुद्धि में है कि अभी हम ब्राह्मण बने हैं देवता बनने के लिए। *यह है अमूल्य जीवन क्योंकि तुम

ईश्वरीय सन्तान हो।* ईश्वर तुमको राजयोग सिखला रहे हैं, पतित से पावन बना रहे हैं। पावन देवता बनते हैं।

उत्तर 6- *B.कर्मयोगी*

सदा हर कर्म करते हुए अपने को कर्मयोगी आत्मा अनुभव करो। कोई भी कर्म करते हुए याद भूल नहीं सकती। कर्म और योग - दोनों कम्बाइन्ड हो जाएं। जैसे कोई जुड़ी हुई चीज़ को अलग नहीं कर सकता, ऐसे कर्मयोगी बनो।

उत्तर 7- *B.श्रीकृष्ण*

गीता का भगवान कौन? स्वर्ग का गेट कौन खोलते हैं? खोलता है शिवबाबा। *श्रीकृष्ण उस गेट से पार करता है।* मुख्य चित्र है ही दो। बाकी तो रेज़गारी है।

उत्तर 8- *B.आत्मा*

ऐसे नहीं सिर्फ परमात्मा को नहीं जानते। आत्मा को भी नहीं जानते। *आत्मा को जान जाएं तो परमात्मा को फट से जान जायें।* बच्चा अपने को जाने और बाप को न जाने तो चल कैसे सकते? तुम तो अभी जानते हो आत्मा क्या है, कहाँ रहती है?

उत्तर 9- *C.गोले पर जहां संगम दिखाया है*

गोले (सृष्टि चक्र) के चित्र में स्वर्ग जाने का गेट सिद्ध होता है। यही राइट है। ऊपर में उस तरफ है नर्क का गेट, उस तरफ है स्वर्ग का गेट। बिल्कुल क्लीयर है। यहाँ से सब आत्मायें भागती हैं शान्तिधाम फिर आती हैं स्वर्ग में। यह गेट है। सारे चक्र को भी गेट नहीं कहेंगे। *गोले पर ऊपर में जहाँ संगम दिखाया है वह है पूरा गेट।* जिससे आत्मायें निकल जाती हैं, फिर नई दुनिया में आती हैं। बाकी सब शान्तिधाम में रहती हैं। कांटा दिखाता है - यह नर्क है, वह स्वर्ग है। सबसे अच्छा फर्स्टक्लास

समझाने का यह चित्र है। बिल्कुल क्लीयर है, गेट वे टू हेविन।

उत्तर 10- *D.शिवबाबा*

गीता का भगवान कौन? स्वर्ग का गेट कौन खोलते हैं? *खोलता है शिवबाबा।* श्रीकृष्ण उस गेट से पार करता है। मुख्य चित्र है ही दो। बाकी तो रेज़गारी है।

उत्तर 11- *A.हम अभी शूद्र से ब्राह्मण बने हैं*

बाप अच्छी रीति समझाते हैं अपने पर रहम करो। हम ऊंचे ते ऊंच बनें। *हम अभी शूद्र से ब्राह्मण बने हैं। अहो सौभाग्य।* फिर देवता बनेंगे। यह संगमयुग बहुत कल्याणकारी है।

उत्तर 12- *A.बाबा और हम कम्बाइंड है, करावनहार बाबा है*

बाबा और हम" - कम्बाइण्ड हैं, करावनहार बाबा और करने के निमित्त मैं आत्मा हूँ - इसको कहते हैं असोच अर्थात् एक की याद।

उत्तर 13- *C.गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है*

अब श्रीकृष्ण है कहाँ? ढूँढ़ते रहेंगे, जब तक तुमसे सुनें कि *गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है।* तुम्हारी बुद्धि में तो यह बात पक्की है। यह तुम कभी भूल नहीं सकते। कोई को भी तुम समझा सकते हो गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है। दुनिया में तो कोई भी नहीं कहेगा सिवाए तुम बच्चों के।

उत्तर 14- *D.उपयुक्त सभी*

आज किसको समझाया, कल फिर घुटका आने से खुशी गुम हो जाती है। समझना चाहिए यह माया का वार होता है इसलिए पुरुषार्थ कर बाप को याद करना है। *बाकी रोना, पीटना वा बेहाल नहीं होना है। समझना

चाहिए माया पादर (जूता) मारती है* इसलिए पुरुषार्थ कर बाप को याद करना है। बाप की याद से बहुत खुशी रहेगी।

उत्तर 15- *D. A और B*

ऐसे नहीं कि बाप नई सृष्टि रचते हैं। जब पतित होते हैं तब ही पुकारते हैं, सतयुग में कोई पुकारते नहीं। है ही पावन दुनिया। रावण पतित बनाते हैं, परमपिता परमात्मा आकर पावन बनाते हैं। आधा-आधा जरूर कहेंगे। *ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात आधा-आधा है। ज्ञान मार्ग से दिन होता है, वहाँ अज्ञान है नहीं। भक्ति मार्ग को अन्धियारा मार्ग कहा जाता है।*

उत्तर 16- *A.मूवी*

एक ही दैवीगुण अच्छा है। जास्ती कोई से न बोलना, मीठा बोलना, बहुत थोड़ा बोलना चाहिए

क्योंकि तुम बच्चों को टॉकी से मूवी, मूवी से साइलेन्स में जाना है। तो टॉकी को बहुत कम करना चाहिए।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (71) खण्ड - {142}

प्रश्न 1- जो आये उनको नई दुनिया और पुरानी दुनिया का फ़र्क दिखाना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा चित्र -

A- गोला

B- कल्पवृक्ष

C- सीढी

D- झाड़

प्रश्न 2- जो बहुत थोड़ा धीरे से बोलते हैं तो समझते हैं यह -

A- रॉयल घर का है।

B- दैवीगुण वाला है।

C- अच्छे संस्कार वाले है।

D- शांत स्वभाव का है।

प्रश्न 3- सबसे अच्छा दैवीगुण है ?

A- सब को सुख देना

B- शान्त रहना

C- अधिक आवाज़ में न आना

D- मीठा बोलना

प्रश्न 4- अभी नर्कवासी कौन है ?

A- मनुष्य

B- हम ब्राह्मण बच्चे

C- आस्तिक

D- नास्तिक

प्रश्न 5- भगवान की भाषा क्या है ?

A- शुभभावना की

B- हिन्दी

C- दिल की

D- संकल्प की

प्रश्न 6- मोहजीत का टाइटिल किस को मिला हुआ है ?

A- सतयुगी देवताओं को

B- हम ब्राह्मण बच्चों को

C- संन्यासियों को

D- राजा को

प्रश्न 7- महाभारत लड़ाई के समय -

A- पाण्डव, कौरव, यादव सब हैं।

B- अनेक धर्म हैं,

C- दुनिया भी तमोप्रधान है,

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- यह ड्रामा बना बनाया है, इसे कोई ने बनाया नहीं इसलिए -

A- आदि और अन्त नहीं है।

B- कल्याणकारी हैं।

C- 5000 वर्ष का है ।

D- एक्युरेट है।

प्रश्न 9- जितना कम्बाइण्ड-रूप का अनुभव बढ़ाते जायेंगे उतना -

A- ब्राह्मण जीवन बहुत प्यारी, मनोरंजक अनुभव होगी

B- अतीन्द्रिय सुख का अनुभव होगा

C- माया प्रूफ बनेंगे

D- हर पल बाबा के साथ का अनुभव होगा

प्रश्न 10- क्या ट्रायल करके देखना है ?

A- याद का चार्ट रखना है।

B- योग में बहुत मेहनत है।

C- कर्म में कितना समय बाप की याद रहती है।

D- एक सेकंड में फुल स्टॉप लगाना।

प्रश्न 11- स्कॉलरशिप की माला होती है ?

A- 8

B- 100

C- 16000

D- 108

प्रश्न 12- मेहनत है ?

A- योग में

B- राजा-रानी का पद पाने में

C- यह लक्ष्मी-नारायण बनने मे

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- ..... अनुसार ही सारा पार्ट बज रहा है ?

A- ड्रामा

B- कुदरत

C- रचयिता

D- आत्मा

प्रश्न 14- कौन-सा मुख्य एक पुरुषार्थ स्कॉलरशिप लेने का अधिकारी बना देता है ?

A- अन्तर्मुखता का

B- कल्याणकारी बनना

C- आत्म अभिमानी

D- स्व सेवा और विश्व सेवा का बैलेंस

प्रश्न 15- कौन से निश्चय बिना ज्ञान देना टाइम वेस्ट करना है ?

A- अल्फ के

B- आत्मा के

C- सृष्टिचक्र के

D- ड्रामा के

प्रश्न 16- कौन सा पुरूषार्थ करना बुद्धि का काम है -

A- देह और देह के सम्बन्ध को छोड़ अपने को अशरीरी आत्मा समझना

B- स्थूल सेवा करना

C- साक्षात्कार करना

D- ज्ञान धारण कर औरों को भी कराना

भाग (71) खण्ड {142} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.गोला*

बाबा ने बहुत बार समझाया है, फिर भी समझाते हैं, *जो आये उनको नई दुनिया और पुरानी दुनिया का फ़र्क दिखाना चाहिए। इसके लिए गोला का चित्र सबसे अच्छा है।* भल वह क्या भी कहे, कोई 10 हज़ार वर्ष आयु कहते हैं, कोई 30 हज़ार वर्ष आयु कहते हैं। अनेक मतें हैं ना। अब उन्हों के पास तो है ही शास्त्रों की मत। अनेक शास्त्र, अनेक मत। मनुष्यों की मत है ना।

उत्तर 2- *A.रॉयल घर का है*

जो बहुत थोड़ा धीरे से बोलते हैं तो समझते हैं *यह रॉयल घर का है।* मुख से सदैव रत्न निकलें।

उत्तर 3- *C.अधिक आवाज में न आना*

सबसे अच्छा दैवीगुण है शान्त रहना, अधिक आवाज़ में न आना, मीठा बोलना, तुम बच्चे अभी टॉकी से मूवी, मूवी से साइलेन्स में जाते हो, इसलिए अधिक आवाज़ में न आओ''

उत्तर 4- *A.मनुष्य*

आदि सनातन देवी-देवता धर्म की भगवान ही आकर स्थापना करते हैं, *जो (मनुष्य) नर्कवासी हैं* वही फिर सतयुगी स्वर्गवासी बनते हैं। अभी तुम नर्कवासी नहीं हो। अभी तुम हो संगमयुग पर। संगम होता है बीच का।

उत्तर 5- *B.हिन्दी*

भगवान की भाषा क्या है, यह कोई जानते नहीं। ऐसे तो नहीं, बाबा सब भाषाओं में बोलेंगे। नहीं, *उनकी भाषा है ही हिन्दी।* बाबा एक ही भाषा में समझाते हैं फिर ट्रांसलेट कर तुम समझाते हो।

उत्तर 6- *A.सतयुगी देवताओं को*

देही-अभिमानी होने के कारण सतयुगी देवताओं को मोहजीत का टाइटिल मिला हुआ है क्योंकि वहाँ समझते हैं हम आत्मा हैं, अब यह शरीर छोड़ दूसरा लेना है। मोहजीत राजा की भी कथा है ना। बाप समझाते हैं देवी -देवता मोहजीत होते हैं। खुशी से एक शरीर छोड़ दूसरा लेना है। बच्चों को सारी नॉलेज बाप द्वारा मिल रही है। तुम ही चक्र लगाकर अब फिर आए मिले हो।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

वह हैं जिस्मानी पण्डे, तुम हो रूहानी पण्डे इसलिए तुम्हारा नाम पाण्डव गवर्मेन्ट भी है, परन्तु गुप्त।

पाण्डव, कौरव, यादव क्या करत भये। इस समय की बात है जबकि महाभारत लड़ाई का समय भी है। अनेक धर्म हैं, दुनिया भी तमोप्रधान है, वैराइटी धर्मों का झाड़ सारा पुराना हो गया है।

उत्तर 8- *A.आदि और अन्त नहीं है*

पहले-पहले तुमको आत्मा का ज्ञान मिलता है। तुम जानते हो हम आत्मायें परमधाम से एक्टर बन पार्ट बजाने आये, अभी नाटक पूरा होता है, *यह ड्रामा बना बनाया है, इसे कोई ने बनाया नहीं इसलिए इसका आदि और अन्त भी नहीं है।*

उत्तर 9- *A.ब्राह्मण जीवन बहुत प्यारी, मनोरंजक अनुभव होगी*

बाप को कम्पेनियन तो बनाया है अब उसे कम्बाइण्ड रूप में अनुभव करो और इस बार-बार चेक करो कि क्या मैं कम्बाइण्ड हूँ, किनारा तो नहीं कर

लिया? *जितना कम्बाइण्ड-रूप का अनुभव बढ़ाते जायेंगे उतना ब्राह्मण जीवन बहुत प्यारी, मनोरंजक अनुभव होगी।*

उत्तर 10- *C.कर्म में कितना समय बाप की याद रहती है*

योग में बहुत मेहनत है, *ट्रायल करके देखना है कि कर्म में कितना समय बाप की याद रहती है!* याद में रहने से ही कल्याण है

उत्तर 11- *A. 8*

नम्बरवन को ही स्कॉलरशिप मिलती है। यह लक्ष्मी-नारायण स्कॉलरशिप लिये हुए हैं। फिर हैं नम्बरवार। बहुत बड़ा इम्तहान है ना। *स्कॉलरशिप की ही माला बनी हुई है। 8 रत्न हैं ना। 8 हैं* फिर हैं 100, फिर हैं 16 हजार।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

राजा-रानी का पद पाने में मेहनत है। जो मेहनत करेंगे वही ऊंच पद पायेंगे, तुम यहाँ आये ही हो - *यह लक्ष्मी-नारायण बनने, इसमें मेहनत है।* भल स्वर्ग में जायेंगे परन्तु सजायें खाकर फिर पिछाड़ी में आकर पद पायेंगे थोड़ा-सा। समझते हो यह तो नम्बरवन में जाने वाला है, जरूर ज्ञान और योग ठीक होगा। *फिर भी बाबा कहते हैं योग में बहुत मेहनत है।

उत्तर 13- *A.ड्रामा*

तुम बच्चे जानते हो यह ड्रामा चल रहा है सेकण्ड बाई सेकण्ड। यह बुद्धि में याद रहे तो भी तुम अच्छी रीति स्थिर रहेंगे। यहाँ बैठे हो तो भी बुद्धि में रहे यह सृष्टि चक्र जूँ मुआफिक कैसे फिरता रहता है। सेकण्ड-सेकण्ड टिक-टिक होती रहती है। *ड्रामा अनुसार ही सारा पार्ट बज रहा है।*

उत्तर 14- *A.अन्तर्मुखता का*

अन्तर्मुखता का। तुम्हें बहुत अन्तर्मुखी रहना है। बाप तो है कल्याणकारी। कल्याण के लिए ही राय देते हैं। जो अन्तर्मुखी योगी बच्चे हैं वह कभी देह-अभिमान में आकर रूसते वा लड़ते नहीं।

उत्तर 15- *A.अल्फ*

“मीठे बच्चे - हर एक की नब्ज देख पहले उसे अल्फ का निश्चय कराओ फिर आगे बढ़ो, *अल्फ के निश्चय बिना ज्ञान देना टाइम वेस्ट करना है''*

उत्तर 16- *A.देह और देह के सम्बन्ध को छोड़ अपने को अशरीरी आत्मा समझना*

बाबा तो उठाने लिए महिमा भी करते हैं। पुचकार दे उठाऊंगा। तुम तो बहुत अच्छे हो। स्थूल सेवा में भी अच्छे हो। परन्तु यथार्थ रीति बैठ बताते हैं कि मंजिल बहुत भारी

है। *देह और देह के सम्बन्ध को छोड़ अपने को अशरीरी आत्मा समझना - यह पुरूषार्थ करना बुद्धि का काम है*